ROHTAS MAHILA College SASARM
Department OF-History-Subsidiary
11-05-2020-B.A.I.[2019-20]
Dr. Satyajeet Sarang [Notes]

[6] सिकन्दर का भारतीय आक्रमण, कारण, परिणाम

सिकंदर का आक्रमण

* सिकंदर [मकदूनिया के शासक फिलिप-II का पुत्र] ने 326 ई० पू० में भारत पर आक्रमण किया।
* सिकंदर सिंधु नदी पार कर, तक्षशिला की ओर चला जहाँ के शासकों उसके समक्ष आत्म समर्पण कर दिया। उस समय मगध का शासक घनानंद था। पंजाब के राजा पोरस ने सिकंदर के साथ झेलम नदी के किनारे हाइडेस्पीज का युद्ध [वितस्ता का युद्ध] लड़ा परंतु पोरस हार गया। नवंबर 326 ई० पू० में झेलम नदी के मार्ग से सिकंदर की वापसी यात्रा आरम्भ हुई।
* वह भारत-भूमि छोड़कर बेबीलोन [बगदाद] चला गया, जहां 323 ई० पू० में उसकी मृत्यु हो गई।

सिकंदर के विजित क्षेत्र

* सिकंदर ने विजित क्षेत्रों को 4 प्रशासनिक इकाइयों में बांटकर अलग-अलग उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया।

[1.] सिंधु का उत्तरी व पश्चिमी भाग: फिलिप
[2.] सिंधु व झेलम का भाग: तक्षशिला के शासक आम्भी।
[3.] झेल व व्यास नदी का भाग: पोरस राज
[4.] सिंधु का निचला भाग: पिथोन

⇒ सिकंदर के इस कार्य से अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय एकता को प्रोत्साहन दिया। कालांतर में चंद्रगुप्त मौर्य ने बड़ी आसानी से इन प्रदेशों को जीतकर अपने साम्राज्य में मिला लिया। इस प्रकार यदि पूर्वी भारत में उग्रसेन महापद्म मगध के सिंहासान पर चंद्रगुप्त मौर्य का अग्रज रहा तो पश्चिमोत्तर भारत में सिकंदर स्वयं उस सम्राट का अग्रदूत था।

सिकंदर कौन था?

सिकंदर यूनान के राज्य मकदूनिया का शासक था। वह अपने पिता की मृत्यु के बाद 336 ई० में गद्दी पर बैठा। काबुल व सिंध के बीच सिकंदरिया नामक नगर की स्थापना किया था।

सिकंदर के गुरू अरस्तु थे। सिकंदर खैबर दर्रे से होकर भारत आया था। तथा पहला आक्रमण तक्षशिला के राजा आम्भि के विरुद्ध था।

⇒ पोरस का राज्य झेलम व चिनाब नदी के बीच पड़ता था। सिकंदर ने भारत से वापस जाते समय अपने भू-भाग को 3 हिस्सों में बांट दिया और 3 यूनानी गावर्नरों को सौंप दिया।

⇒ सिकंदर ने 2 नगर बुकाफेला [झेलम नदी] व निकैया बसाया था। पहला नगर अपने घोड़े के नाम पर नामकरण तथा दूसरा नगर पोरस पर विजय की स्मृति में बसाया था।

वापसी के समय सिकंदर की सेना सिंधु नदी के मुहाने 2 भागों [1. जलमार्ग] [नियर्कस के नेतृत्व में] 2. स्थलमार्ग [क्रेटेरस के नेतृत्व में विभक्त हुआ।

⇒ भारतीय भूभाग पर सिकंदर की अंतिम विजय यादल राज्य के विरुद्ध थी।

भारत पर सिकंदर महान का आक्रमण दूसरा विदेशी व प्रथम यूरोपीय आक्रमणकारी था। सिकंदर एकमात्र ऐसा इतिहासपुरुष है जिसका जन्म, मरण व अंतिमसंस्कार 3 अलग-अलग देशों में हुआ था। जन्म: मकदूनिया, यूरोप 356 ई० पू०
मरण: बेबीलोनिया, एशिया 323 ई० पू०
अंतिम संस्कार: सिकंदरिया, अफ्रीका
323 ई० पू० बेबीलोन में सिकंदर निधन हो गया। यूनानी प्रभाव के अंतर्गत भारतीयों ने यूनानियों से छत्रप प्रणाली और मुद्रा निर्माण की कला को ग्रहण किया। भारत में गांधार शैली की जिसका विकास द्वितीय शताब्दी ई० पू० में हुई यूनानी प्रभाव का ही परिणाम है। सिकंदर के आक्रमण के,